[श्री अनन्तराय देवशंकर दुबे]

नर्मदा प्राजेक्ट, ब्रोडगेज रेलवे लाइन, इनके लिए कदम उठाए जावें इसलिए मैं सुझाव दे रहा हूं कि वहां के लिए डैवलपमेंट बोर्डर मंजूर किया जाय ताकि वहां के लोगों को जल्दी से जल्दी पीने का पानी दिया जा सके ।

Construction of Shri Ram Mandir in Ayodhya

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Madam Deputy Chairman, 1 thank you for giving me this opportunity. 1 would like to raise a very important issue which is causing concern to the nation. The VHP Kar Seva Samithi has decided to start construction of Ram Mandir on November 18 this year. This decision of by the VHP-sponsored Kar Seva Samithi is sending disturbing signals throughout the country. They have decided to construct the temple in phases. Now they are dumping the materials for construction, Thereafter they are planning to demolish the mosque that is there in that place. It has been openly said that they are going to convene th© Executive Committee meeting on the 21st and 22nd of July and that the crucial decision will be taken by them in that meeting for starting construction of Ram Mandir there and for demolition of the mosque. I am pained to say that the meeting will be attended by the Chief Minister of UP and his Cabinet colleagues. It is a very serious matter. Now a BJP Government has been installed in UP. We saw the death-toll when *kar seva* **was** started by Shri Lal Krishna Advani, the then president of BJP. Innosent people were killed. We have[1] seen that communal passion has been aroused and religious sentiments have been disturbed. The entire UP was in flames and the BJP is mainly responsible for the killing of those people who lost their lives at the time of Ayodhya dispute.

Now, madam, they want to start it again. They want to create law and order problem throughout the country. Last time what happened in UP spread throughout the country and there were communal clashes and religious bickering throughout the country. They want to start all that again. The BJP's policy is not to see the people living in peace. One of the * who is the Secretary of VHP, who was elected on BJP ticket, he says, "I will not bother about UP Government and we will go ahead and demolish the mosque". That was the observation made by a Member of Parliament. I urge upon the Home Minister and I request him to look into this. I request him to see that the All India Congress Committee's decision to keep the *status quo* of August, 1947 as the deadline, and settle this dispute. The Home Minister can negotiate with the State Government on the mandir-maszid dispute and arrive at an amicable solution- Until such time, I request the BJP Members to kindly do nothing which will cause wncera for the people of other minority communities so that the people of this country can live in peace. Otherwise the entire country will blame you for having started this agitation. ... *{Interruptions)*...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मेरी पार्टी का नाम लिया गया है ।

उपसभापति : माथुर साहब, यहां पर डिबेट नहीं हो रही है ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मेरी पार्टी ने कभी यह नहीं कहा कि मस्जिद तोड़ेंगे हम इसके खिलाफ हैं । हमने कभी नहीं कहा जहां तक 18 तारीख का सवाल है यह इनको मालूम होगा, 18 तारीख के बारे में, ...(व्यवधान) ...जहां तक मुख्य मंत्री का किसी मीटिंग में जाने का सवाल है, मैं समझता हूं कि यहां पर इसके बारे में किसी को आब्जेक्शन लेने का अधिकार नहीं है दूसरा इन्होंने लोक सभा के एक मैम्बर का नाम लिया ..

उपसभापति : नाम मत लीजिए लोक सभा के मैम्बर का ...(व्यवधान) नाम नहीं लिया...(व्यवधान) ...

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : आप शांत हो जाईये बात तो करने दीजिए जरनालिस्ट जहां तक ...(**व्यवधान**) ...

उपसभापति : अफजल साहब आप तशरीफ रखिये ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : यहां पर दूसरे सदन के मैम्बर का नाम लिया गया है, हमारी परंपरा यह है कि ...

उपसभापति दूसरे सदन के सदस्य का नाम न लें

I will look at the records ... *(Interruptions)* ...

SHRI V. NARAYANASAMY: * is the Secretary of **VHP;** therefore **I** referred to his **name.**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : इन्होंने जो यह कहा है, इट शुड बी एक्सपंज्ड

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will look into the records. If the statement is made on the floor of the other House, it will not be referred here. But, if it is a newspaper report we will have to refer it. I assure the House that I will look into it. I will protect the conventions and the rights of the Members. Please have faith in me ... *(Interruptions)* ...

SHRI M. A. BABY (Kerala): Madam, with your permission I would like to mention that this is very serious matter . .. *(Interruptionsq)*. ..

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदया, यह बहुत ही गंभीर मामला है मैने भी स्पेशल मेंशन के जरिए सरकार का ध्यान इस ओर खींचने का प्रयास किया है । इसलिए मैं इस प्रश्न पर अपने को माननीय सदस्य के साथ सबद्ध करता और चाहत कि बी०जे०पी० इस तरह से एक बार फिर प्रदेश को सांम्प्रदात्यकता की आग में झोंककर के प्रदेश के शांतिमय वातावरण को खराब करना चाहती है । इधर सरकार का ध्यान जाना चाहिए ।

*Expungedas ordered by the chair

ताकि इस तरह की स्थिति न बनने पाए कि जहां पर शांति हैं वहां पर अशांति पैदा हो जाए (**व्यवधान**) इसलिए यह जरूरी हैं कि सरकार इस ओर ध्यान दे और देखे कि किसी भी कीमत पर जिस जगह पर मस्जिद हैं उसको गिरा कर के या क्षति पहुंचा कर किसी भी स्थिति में मंदिर नहीं बनना चाहिए । . . . (**व्यवधान**)

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, मैं एक मिनट बोलूगां ।

उपसभापति : यादव जी, डिसकशन नहीं हो रही हैं । यह स्पेशल मेंशन हैं और इसकी परम्परा आपको मालूम हैं।

श्री ईश दत्त यादव : उपसभापति महोदया, मैं राम जन्म भूमि के करीब का रहने वाला हूं । जिस तरह का विषाक्त वातावरण पूरे प्रदेश में हैं (**व्यवधान**) और तनाव व्याप्त हो गया है मुस्लिम संप्रदाय के लोग अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं (**व्यवधान**) इसलिए मैं निवेदन कर रहा हूं (**व्यवधान**) देश में साम्प्रदायिक एकता और सौहार्द का वातावरण बना रहे (**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्त (मध्य प्रदेश) : सदर साहेबा, यह स्पेशल मेंशन का कोई तरीका नहीं है कि बीच में खड़े हो कर बोलना शुरू कर दिया जाए । अगर बहस होनी है तो पूरी बहस हो जानी चाहिए इसकी कोई मना नहीं हैं । फजूल बातें (**व्यवधान**) अल्फाज दूसरों के मुह में डालने की कोशिश की जाती है (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल (उत्तर प्रदेश) : फजूल कहते हैं (**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्त : मुजाहिद को बैठाइए । मुजाहिदेआजम को बैठाइए तब पता लगेगा (**व्यवधान**)

SHRI V. NARAYANASAMY: We had a bitter experience . . . *{Interruptions).* . . Thousands of people were killed and the BJP was responsible for it .. .*(Interruptions)* , . .

श्री सिकन्दर बख्त : तुम लोगों ने हिन्दुस्तान की आबोहवा को बिगाड़ा है (**व्यवधान**) तुम लोगों ने किया है । आज की जो सिचुयेशन है इस सिचुएशन की जिम्मेदारी सौ फीसदी इन्हीं लोगों पर है जो यहां खड़े होकर बोल रहे हैं। (**व्यवधान** तमाम फिजां और सारी आबोहवा को बिगाड़ने वाले यह लोग हैं । हम कहते हैं कि मस्जिद नहीं गिरायेंगे, यह कहते हैं कि तुम गिराओगे (**व्यवधान**) इस जबरदस्ती के मायने क्या हैं (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN; Now the matter is closed. I am asking Mr. Ram Naresh Yadav to make his Special Mention on the drought situation ... *{Interruptions)* ...

SHRI M. A. BABY: Madam, just one minute .. . *(Interruptions).* . .

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down ... *(Interruptions)...*

श्री सिकन्दर बख्त : तशरीफ रखिए' हम को सब मालूम है (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : आप * (**व्यवधान**)

श्री कैलाश नरायण सारंग (मध्य प्रदेश) आप देश को बांट रहे हैं (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल आप * (**व्यवधान**)

श्री कैलाश नरायण सारंग : आप वोटों की खातिर देश को बांटना चाहते हैं (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Afzal, please go back to your seat . . . *(Interruptions)* . . .

श्री कैलाश नरायण सारंग : यह एक्सपोज हो गए हैं (**व्यवधान**) अब जमीन खिसकने लगी है (**व्यवधान**)

*Expunged as ordered by the Chairs.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Sarang, please take your seat . . *(Interruptions)* .. .Now, that matter is closed.

SHRI V. NARAYANASAMY: You killed the people there. How can you do that? . . *(Interruptions).* .. you wanted to demolish the mosque .. .*(Interruptions)* . ..

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी (उत्तर प्रदेश) इन्होंने पूरे देश में खूनखराबा करवाया है (**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहेब मुझे यह अर्ज करना पड़ेगा कि यह जो आवाजें पीछे से आ रही हैं (**व्यवधान**) मैं अर्ज करूंगा (**व्यवधान**) जो आवाजें पीछे से आ रही हैं ये उस जेहनियत का मुजाहिरा हैं जिस जेहनियत ने 1947 से पहले इस मुल्क को तकसीम कराया हैं . (**व्यवधान**) यह यकीनन हैं कि भारतीय जनता पार्टी . . . (**व्यवधान**) सामना करेगी और इस मुल्क का बंटवारा, तकसीम नहीं होने देगी ।

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी*

(Interruptions)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please take your seat. I won't permit. Without my permission ... *(Interruptions)...* The matter is closed.

आप अपनी जगह पर बैठ जाइये ।

मौलाना ओबेदुल्ला खान आजमी* :

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल :*

उपसभापति आप अपनी जगह पर जाइये । I am not permitting. Please go back to your seat. *(Interruptions)* If you speak from the well . . . *(Interruptions) I* will see the record and' expunge whatever is objectionable. I will protect the Members' rights. *(Interruptions)*

कोई चीज रिकार्ड पर नहीं जाएगा अगर बेल पर कोई बोलेगा आप अपनी जगह जर जाएये ।

*Not recorded

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार) : जिन्होंने इस मुल्क को तकसीम कराया था, वे आज सदन में नेता बनकर बैठे हैं और फिर आज वे हिन्दू राष्ट्र की बात कर रहे हैं ।

(व्यवधान)

उपसभापति : आप अपनी जगह पर जाएंगे, मैं रिकार्ड देखूंगी । आप बैठ जाएंगे । यह मसला खत्म हो गया है.. **(व्यवधान)** अगर आप बोलेंगे, मेरी बगैर इजाजत के, तो वह रिकार्ड पर नहीं जाएगा । **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : ये अपने शब्द वापस लें या एक्सपन्ज करें ।

THE DEPUTY CHAIRMAN; I will look after it. I will protect the Members' rights. Shri Ram Naresh Yadav, go to the drought situation.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : एक माननीय सदस्य को ट्रेटर करने के बराबर हैं । ऐसा क्यों कहा जा रहा हैं । बहुत बड़े शर्म की बात हैं कि बी जे पी के नेता इस सदन के ये हैं और उन्होंने इस तरह के अल्फाजों का प्रयोग किया हैं ।

(व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर हैं ।

उपसभापति : अभी प्वाइंट आफ आर्डर नहीं होता हैं । स्पेशल मेंशन है बैठ जाइए । डाउट सून लें । वह मामला हो गया ।

Drought **situation in Uttar Pradesh**

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदया, मैं एक ऐसे महत्वपूण प्रश्न की ओर सरकार का और सदन का ध्यान दिलाना चाहूंगा जो उत्तर प्रदेश से संबंधित हैं ।। इस समय पूरा उत्तर प्रदेश भीषण सूखे की चपेट में हैं । अवर्षण से ... **(व्यवधान)** अच्छा आप एंड कर लीजिएगा । जो यह अवर्षण हुआ है, पानी नहीं पड़ा हैं इसके कारण से चारों ओर त्राहि त्राहि मची हुई हैं । यहां तक कि पिछले 15-20 दिन पहले कुछ वर्षा हुई थी जिसके कारण किसानों ने अपने घर से सारा बीज निकालकर खेतों में डाल दिया था लेकिन अब परिणाम यह हो रहा है कि इस सूखे से सारा जो बीज खेतों में आया था वह भी समाप्त हो गया हैं। कोई फसल नहीं है, चारों ओर त्राहि त्राहि मची हुई हैं, यहां तक कि पीने के पानी का जबर्दस्त संकट उपस्थित हो गया हैं । चारे की जो फसल होने वाली थी वह भी सूख गयी हैं । गन्ने की फसल में कीड़े लग गए रहे हैं । इस तरह से चारों ओर एक संकट की स्थिति पैदा हो गयी हैं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि प्रदेश सरकार का ध्यान उधर है ही नहीं। ....उनका ध्यान तो कहीं किसी दूसरी तरफ हैं, कहीं पर सांप्रदायिक तनाव को पैदा करने का, लाने का, लेकिन जो मूल प्रश्न किसानों से संबंधित है, गांवों से संबंधित है, देश की सारी जनता से संबंधित है, जिस प्रश्न को लेकर आज सारे प्रदेश का नागरिक चिंतित है, बैचैन है, गांव के लोग परेशान हैं, उधर तो सरकार का ध्यान नहीं हैं ।

इसलिए ऐसे समय पर जबकि पूरा प्रदेश सूखे से तबाह है, चाहे हमारा बुंदेलखंड का हो इलाका हो, चाहे मिर्जापुर की तरफ का हो, चाहे पूर्वी उत्तर प्रदेश का हो, चाहे मध्यवर्ती प्रदेश हो, चाहे पश्चिमी जिले हो, कोई भी जिला बचा नहीं है और ऐसी स्थिति में हमारी सरकार से मांग है कि सरकार, प्रदेश सरकार को निर्देशित करे कि वह इस दिशा व्यापक कदम उठाये ताकि इस सूखे के संकट का सामना वहां के नागरिक कर सके, प्रदेश की जनता आसानी से कर सके । (समय की घंटी)

इस संबंध में मेरी मांगें भी हैं । मैं चाहता हूं कि केन्द्रीय सरकार प्रदेश सरकार को निदेशित करे कि वह इस दिशा में गंभीरता के साथ जल्द से जल्द ऐसे कदम उठाय जिससे वहां के लोगों को राहत मिल सके । पहली बात यह है